

**स्वर्णगिरि** पुं. (तत्.) सुनहली चोटी वाला (स्वर्णाभ) सुमेरु पर्वत।

**स्वर्णगैरिक** पुं. (तत्.) एक तरह का पीला गेरु, सोनागेरु।

**स्वर्णग्रीवा** स्त्री. (तत्.) कालिका पुराण के अनुसार एक पवित्र नदी जिसका उद्गम नाटक शैल के पूर्वी भाग से हुआ माना जाता है।

**स्वर्णचूड़** पुं. (तत्.) 1. नीलकंठ नामक पक्षी 2. मुर्गा।

**स्वर्णचूल** पुं. (तत्.) 1. नीलकंठ 2. मुर्गा।

**स्वर्णज** पुं. (तत्.) 1. राँगा 2. सोनामक्खी वि. 1. सोने से उत्पन्न 2. सोने से बनाया गया।

**स्वर्णजयंती** स्त्री. (तत्.) किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति, संस्था आदि के जन्म या शुभारंभ के पचास वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में एक बड़े समारोह में मनाई जाने वाली जयंती। golden jubilee

**स्वर्णजीवी** पुं. (तत्.) स्वर्ण धातु आदि से निर्मित गहनों, वस्तुओं आदि के व्यवसाय से जीविका कृति चलाने वाले स्वर्णकार, सुनार।

**स्वर्णतरी** स्त्री. (तत्.) स्वर्ण से बनी हुई नाव, सोने की नौका।

**स्वर्णद** वि. (तत्.) 1. स्वर्ण देने वाला 2. स्वर्ण का दान देने वाला।

**स्वर्णदी** स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्गगा, मंदाकिनी 2. असम में कामाख्या के समीप बहने वाली एक नदी।

**स्वर्णदीधिति** पुं. (तत्.) जिससे सोने जैसे रंग की प्रकाश की किरण निकलती हो, अग्नि वि. सुनहरी किरणों वाला।

**स्वर्णाद्रि** पुं. (तत्.) सोने का पर्वत, स्वर्णाचल।

**स्वर्णद्वीप** पुं. (तत्.) दक्षिण-पूर्वी एशिया में स्थित और वर्तमान में प्रसिद्ध सुमात्रा द्वीप का मध्ययुगीन नाम।

**स्वर्णनाभ** पुं. (तत्.) एक प्रकार के शालग्राम, काले पत्थर की चिकनी गोल बटिया जो प्राकृतिक रूप से गंडकी नदी में पाई जाती है तथा जो विष्णु के रूप में पूज्य होती है।

**स्वर्णपक्ष** पुं. (तत्.) 'गरुड़' का एक नाम वि. सुनहले पक्षों वाला।

**स्वर्णपत्र** पुं. (तत्.) सोने का पत्तर या सोने का तबक (जिसे मिष्ठान या पान आदि में लपेट कर समृद्ध लोगों को दिया जाता है)।

**स्वर्णपर्पटी** स्त्री. (तत्.) आयु. संग्रहणी रोग के लिए एक अत्यंत गुणकारी ओषधि।

**स्वर्णपाटक** पुं. (तत्.) सुहागा, एक क्षारद्रव्य जो सोना गलाने के काम आता है।

**स्वर्णपिंजर** पुं. (तत्.) 1. सोने का बना पिंजड़ा 2. लाक्ष. धन-ऐश्वर्य, संपत्ति आदि के मोह का बंधन।

**स्वर्णपीत** वि. (तत्.) जो सुनहरा-पीला हो पुं. सुनहरा-पीला रंग।

**स्वर्णपुंख** वि. (तत्.+तद्.) सोने के पंखों वाला (तीर/बाण)।

**स्वर्णपुरी** स्त्री. (तत्.) 1. सोने की नगरी 2. धन-दौलत से संपन्न नगरी 3. लंकापुरी (रावण की नगरी)।

**स्वर्णपुष्प** पुं. (तत्.) 1. अमलतास (औषधोपयोगी वृक्ष) 2. चंपा 3. बबूल/कीकर 4. कैथा 5. पेठा।

**स्वर्णपुष्पा** स्त्री. (तत्.) 1. कलिहारी/लांगली (नारियल का पेड़) 2. पीली केतकी 3. सातला नामक शहर 4. मेढ़ा-सिंगी 5. अमलतास।

**स्वर्णपुष्पी** स्त्री. (तत्.) 1. एक पुष्पवृक्ष, केवड़ा 2. केतकी का फूल 3. अमलतास 4. सातला।

**स्वर्णप्रस्थ** पुं. (तत्.) पुराणानुसार जंबू द्वीप का एक उपद्वीप।

**स्वर्णफल** पुं. (तत्.) धतूरा।

**स्वर्णफला** स्त्री. (तत्.) चंपा केला, स्वर्ण कपाली।

**स्वर्ण बिंदु** पुं. (तत्.) अर्थ. जो स्वर्णमान की मुद्रा से युक्त हैं, उन दो देशों की विनिमय दर में कमी अथवा वृद्धि की चरम सीमा। speciepoints